आईआईएम में ओरिएंटेशन कार्यक्रम

इतिहास पर इतराने के बजाय नए वैभव तैयार करें

रायपुर। छात्रों को नई आशाएं देने और उनके संकल्पों को प्रोत्साहित करने शुक्रवार को आईआईएम रायपुर में नए बैच छात्रों के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यहां छात्रों ने शिक्षा क्षेत्र के विशेषज्ञों से बातचीत कर मार्गदर्शन प्राप्त किया। आईआईएम के निदेशक प्रो. भारत भास्कर ने कहा, हमें इतिहास पर इतराने के बजाए एक साथ नया भविष्य और नया वैभव बनाने कार्य करना चाहिए। हम एक अस्थिर दुनिया में रह रहे हैं, जहां कई तरह के व्यवधान हैं। इस दौरान भारत एल्युमीनियम कंपनी लिमिटेड बाल्को के सीईओ विकास शर्मा ने छात्रों से अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि किन कठिनाइयों का सामना कर वे मैकेनिकल इंजीनियरिंग बने। उन्होंने मन के सभी तत्वों के महत्व बताते हुए कहा, व्यक्ति का दृष्टिकोण हमें जीवन में सफल बनाता है। सही दृष्टिकोण के साथ ही हम संभावनाओं के अनंत ब्रह्मांड खोल सकते हैं।

इंजीनियरिंग सहित विभिन्न पृष्ठभूमि के छात्र

प्रोफेसर एम. कन्नाधसन ने छात्रों के विषय में जानकारी दी। आईआईएम के नए बैच के छात्रों में भी विविधता दिखी। विभिन्न विषयों के छात्र इस वर्ष मैनेजमेंट अध्ययन कर रहे हैं। इस साल सीट की संख्या बढ़कर 260 हो गई है। इसमें इंजीनियरिंग पृष्ठभूमि के 55 उम्मीदवार हैं। कुल 70 उम्मीदवार 24.6 महीने के औसत कार्यअनुभव के साथ आए हुए हैं। निदेशक प्रो. भास्कर ने अनुशासन के महत्व को समझाया। आईआईएम की आधिकारिक स्टूडेंट मैगजीन भी लॉन्च की गई। इस वर्ष की पत्रिका का विषय स्वदेशीकरण था। प्रो.संजीव परासर ने धन्यवाद ज्ञापित किया। नए आए छात्रों को संस्था में उपलब्ध सुविधाओं के साथ ही एंटी रैगिंग कमेटी और अन्य जानकारियां दी गईं।

Haribhoomi,29th June 2019p.16.jpg